भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2511
दिनांक 13 मार्च, 2025

जैव-डीजल की बढ़ती मांग

2511. श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में जैव-डीजल की मांग और आपूर्ति बढ़ रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) देश में जैव-डीजल की मांग और आपूर्ति का ब्यौरा क्या है तथा जैव-डीजल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं;
(ग) क्या सरकार का निजी जैव-डीजल निर्माताओं को वितरक के रूप में कार्य करने की अनुमति देने तथा उपभोक्ताओं को जैव-डीजल की आपूर्ति के सीमित उद्देश्य के लिए उन्हें विपणन और वितरण अधिकार प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) इसका मौजूदा आपूर्तिकर्ताओं और निर्माताओं तथा भारतीय रेलवे जैसे थोक उपभोक्ताओं पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख): राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति-2018, जिसे वर्ष 2022 में संशोधित किया गया है, देश भर में वर्ष 2030 तक डीजल में जैवडीजल के 5 प्रतिशत मिश्रण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सांकेतिक लक्ष्य की रूपरेखा तैयार करती है। पिछले तीन वर्षों के दौरान डीजल में मिश्रण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) द्वारा अधिप्राप्त की गई जैव डीजल के ब्यौरे में नीचे दिए गए हैं:

वर्ष	**अधिप्राप्त की गई मात्रा (किलो लीटर में)**
2021-22	561
2022-23	60571
2023-24	439860

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज

सरकार ने जैव ईंधन उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई उपाय किए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के तहत डीजल में जैव डीजल के मिश्रण / जैव डीजल की प्रत्यक्ष बिक्री का सांकेतिक लक्ष्य निर्धारित करना, ''परिवहन उद्देश्यों के लिए हाई स्पीड डीजल के साथ मिश्रण हेतु जैव डीजल की बिक्री के लिए दिशानिर्देश-2019'' को अधिसूचित करना, मिश्रण कार्यक्रम के लिए जैव डीजल की अधिप्राप्ति के लिए जीएसटी दर को 12% से घटाकर 5% करना आदि शामिल हैं।

(ग): परिवहन उद्देश्यों के लिए हाई स्पीड डीजल के साथ मिश्रण हेतु जैव डीजल की बिक्री के लिए दिशानिर्देश-2019 को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा पहले ही जारी किया जा चुका है।

(घ): भारतीय रेलवे द्वारा चलाए गए विद्युतिकरण अभियान के कारण भारतीय रेलवे द्वारा डीजल की मांग में काफी कमी आई है।

****